दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
DSSSB TGT & PGT
ROJGAR WITH ANKIT
Part-B
SCHOLAR BATCH
INDIAN GEOGRAPHY
प्रमुख झील एवं परियोजना
Part -6
LIVE
17-06-2024 08:00 PM

अभ्रक के प्रमुख खनन क्षेत्र

आंध्र प्रदेश:

1. नैल्लोर
2. कृष्णा
3. विशाखापट्टनम
4. अनंतपुर
5. गुंटूर

राजस्थान –

1. जयपुर
2. उदयपुर
3. भीलवाड़ा
4. अजमेर
5. सीकर

झारखण्ड :-

1. कोडरमा ✓
2. हजारीबाग ✓
3. गिरीडीह ✓
4. धनवाद ✓

बिहार :

1. मुंगेर
2. भागलपुर
3. गया
4. नवादा
5. जमुद- बांका

चूना पत्थर के प्रमुख खनन केन्द्र

आंध्रप्रदेश :-

1. विशाखापट्टनम
2. गुंटूर
3. कुर्नूल
4. कृष्णा

मध्य प्रदेश :-

1. जबलपुर
2. बालाघाट
3. सतना
4. बैतूल
5. सागर
6. कटनी

राजस्थान –

- अजमेर
- बीकानेर
- जोधपुर
- कोटा
- सिरोही
- बूँदी
- अलवार
- सवाई माधोपुर
- चित्तौड़
- नागोर
- झुंझनूं

गुजरात:

1. बनासकांठा
2. जूनागढ़
3. खेड़ा
4. पंचमहल
5. साबरकांठा

कर्नाटक :-

1. बीजापुर
2. बेलगाँव
3. शिमोगा
4. गुलबर्गा

तमिलनाडु –

1. रामनाथपुरम
2. तिरूवनवेली
3. त्रिचनापल्ली
4. सलेम
5. मदुरै
6. तंजावुर

सोने के प्रमुख केन्द्र

कर्नाटक :-

1. कोलारहट्टी

2. रायचूर

आंध्रप्रदेश:

1. अनंतपुर

झारखण्ड :

1. स्वर्ण रेखा नदी

चांदी के प्रमुख खनन केन्द्र

कर्नाटक-

1. चित्रदुर्ग ✓
2. वेल्लारी ✓

आंध्रप्रदेश –

1. कुड़प्पा ✓
2. गुंटूर ✓
3- कर्नूल ✓

राजस्थान :-

जाबर ✓

उत्तराखण्ड –

अलमोड़ा ✓

हीरा के प्रमुख केन्द्र

मध्यप्रदेश: पन्ना

आंध्रप्रदेश :- गोलकुंडा

छत्तीसगढ़ :- 1. रायपुर 2. गरियाबंद

जस्ता के प्रमुख खनन केन्द्र

राजस्थान:- 1. उदयपुर 2. चित्तौड़ 3. राजसमंद 4. आगूचा क्षेत्र

तमिलनाडू- दक्षिणी अर्काट

जम्मू- कश्मीर: उधमपुर

जिप्सम के प्रमुख खनन केन्द्र

राजस्थान :

1. नागौर
2. बीकानेर
3. बाड़मेर
4. जोधपुर
5. श्रीगंगानगर

हिमाचल प्रदेश :-

1. सिरमौर
2. कांगड़ा
3. शिमला

महाराष्ट्र: कोल्हापुर
कर्नाटक :- 1. बेलगांव 2. गुलमर्गा ✓
उत्तर प्रदेश: 1. झांसी 2. हमीरपुर ✓
तमिलनाडू - 1. कोयम्बटूर 2. त्रिचनापल्ली ✓
जम्मू-कश्मीर:- 1. उरी 2. बारामूला ✓

खनिज संसाधनों की दृष्टि से राज्यों का क्रम

खनिज	भण्डारण	उत्पादन
1. सोना	1. कर्नाटक 2. राजस्थान 3. बिहार	1. कर्नाटक 2. झारखण्ड
2. चांदी	1. राजस्थान 2. झारखण्ड	1. राजस्थान 2. कर्नाटक
3. हीरा	1. मध्य प्रदेश 2. आन्ध्र प्रदेश 3. छत्तीसगढ़	मध्यप्रदेश (पन्ना)

4. तांबा	1. राजस्थान 2. झारखण्ड 3. मध्य प्रदेश	1. मध्य प्रदेश 2. राजस्थान 3. झारखण्ड
5. टिन	1. हरियाणा 2. छत्तीसगढ़ 3. ओड़िसा	1. छत्तीसगढ़
6. बॉक्साइट	1. उड़ीसा 2. आन्ध्र प्रदेश 3. गुजरात	1. उड़ीसा 2. गुजरात 3. झारखण्ड

7. जिप्सम	1. राजस्थान 2. J&K 3. तमिलनाडु	1. राजस्थान ✓ 2. J&K ✓
8. ग्रेफाइट	1. अरुणांचल प्रदेश 2. J&K 3. उड़ीसा	1. झारखण्ड ✓ 2. उड़ीसा 3. केरल
9. चूना पत्थर	1. कर्नाटक 2. आन्ध्रप्रदेश 3. राजस्थान 4. गुजरात	1. राजस्थान ✓ 2. मध्य प्रदेश ✓ 3. राजस्थान

10. मैगनीज	1. उड़ीसा 2. कर्नाटक 3. मध्य प्रदेश	1. मध्य प्रदेश 2. महाराष्ट्र 3. उड़ीसा
11. ग्रेनाईट	1. कर्नाटक 2. राजस्थान 3. झारखण्ड	1. आन्ध्र प्रदेश 2. तेलंगाना 3. राजस्थान
12. लौह अयस्क	हेमेटाइट: उड़ीसा, झारखण्ड, छतीसगढ़ मैग्नेटाइट: कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, राजस्थान	1. उड़ीसा 2. छतीसगढ़ 3. कर्नाटक

भारत के प्रमुख उद्योग धंधे

औद्योगिक विकास

- स्वतंत्रता पूर्व औद्योगिक विकास
- स्वतंत्रता पश्चात् औद्योगिक विकास

1. स्वतंत्रता पूर्व औद्योगिक विकास :-

- सर्वप्रथम 1853 में औद्योगिक की शुरुआत हुई।
- यह चारकोल पर आधारित पहला 'लौह प्रगलन संयन्त्र' स्थापित किया गया, हालांकि, यह असफल रहा ।
- 1854 में सर्वप्रथम 'सफल' प्रयास हुआ।' कासवजी नानाभाई डाबर के द्वारा मुम्बई में सूती मिल की स्थापना की गई थी।
- 1855 में पश्चिम बंगाल के 'रिशरा' में 'जुट मिल' की स्थापना की गई ।

2. स्वतंत्रता पश्चात् औद्योगिक विकास :-

प्रथम औद्योगिक नीति की घोषणा 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (तत्कालीन उद्योग मंत्री) के द्वारा 6 अप्रैल 1948 को की गई ।

इस नीति के अनुसार उद्योगों का बंटवारा करना था-

(i) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग

(ii) निजी क्षेत्र के उद्योग

- 30 अप्रैल 1956 को दूसरी औद्योगिक नीति की घोषणा हुई। इसका संबंध दूसरी पंचवर्षीय योजना (1956-1961) से था ।
- इस योजना में भारी उद्योगों की स्थापना पर बल दिया गया |
- यह पंचवर्षीय योजना 'पीसी महालनोविस मॉडल' पर आधारित थी।

दूसरी औद्योगिक नीति में उद्योगों को विभाजित किया गया-

(i) निजी क्षेत्र के उद्योग ✓

(ii) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग व ✓

(iii) संयुक्त क्षेत्र के उद्योग ✓

→ 24 जुलाई 1991 को हमारी अर्थव्यवस्था का LPG करण कर दिया गया।

L- उदारीकरण (liberalization) (सरकार का बाजार के मामले मे प्रभाव कम)

P- निजीकरण (Privatization) (निजी क्षेत्रों को - आर्थिक प्रोत्साहन)

G - वैश्वीकरण (Globalization) (अर्थव्यवस्था को विश्व के साथ साझा करना)

लौह इस्पात उद्योग (IRON STEEL INDUSTRY)

अयस्क:- लोहे का कच्चा स्वरूप (अपरिष्कृत)

हेमेटाइट, मैग्नेटाइट, सिडोराइट

→ इस प्रकार के उद्योग को परिवहन लागत को ध्यान में रखकर स्थापित किया जाता है।

लौह इस्पात का कच्चा माल :-

(i) लौह अयस्क (ii) कोकिंग कोयला

(iii) मैगनीज (iv) चूना पत्थर

इस्पात उद्योग को प्रभावित करने वाले कारक

(1) कच्चामाल (लौह अयस्क, मैगनीज, चूना पत्थर, कोयला)

(2) बाजार व बंदरगाह की सुविधा

(3) आंतरिक परिवहन सुविधा

(4) सरकार की नीतियाँ

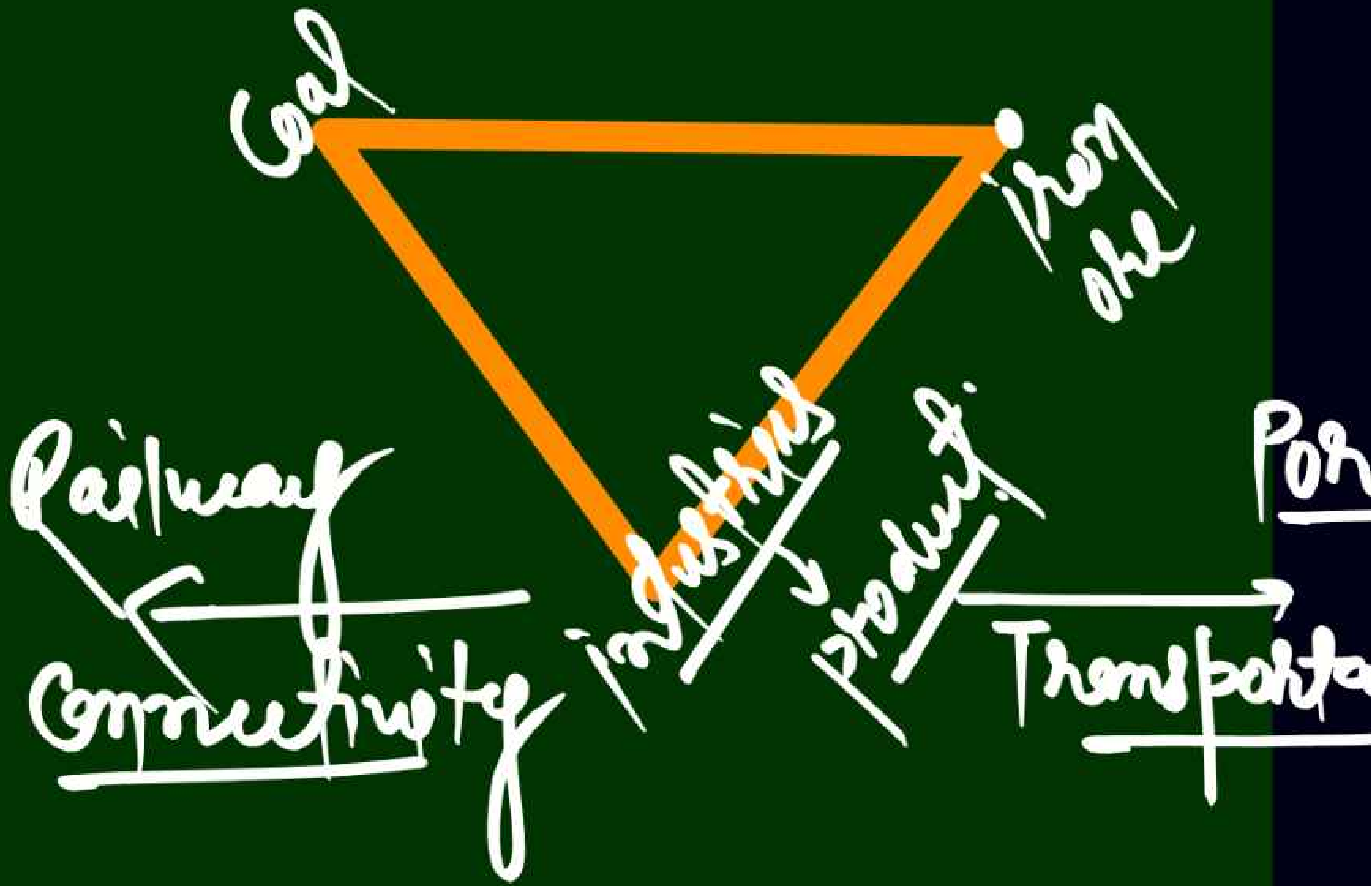

लौह इस्पात उद्योग की अवस्थिति:-

1. ऐसे उद्योग जो कोयला क्षेत्र के समीप है?

(i) वर्नपुर हीरापुर - कुल्टी (पश्चिम बंगाल)

(ii) दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)

(iii) बोकारो (झारखण्ड)

(2) ऐसे उद्योग जो लौह अयस्क के समीप हों-

(i) भिलाई (छत्तीसगढ़)

(ii) राउरकेला (उड़ीसा)

(iii) भद्रावती

(iv) विजयनगर (कर्नाटक)

(v) सलेम (तमिलनाडु)

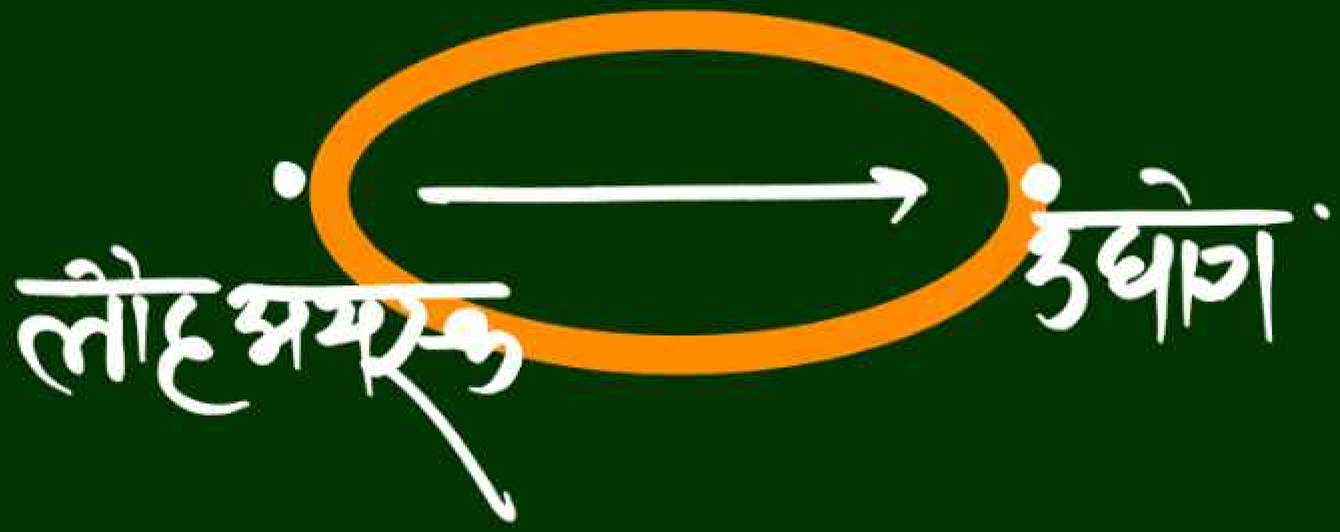

(3.) ऐसे क्षेत्र जो कोयला क्षेत्र व लौह अयस्क क्षेत्र के मध्य स्थित है - जमशेदपुर

(4) ऐसे लौह इस्पात उद्योग जो तटीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं-

(i) विशाखापट्टनम

(ii) गोपालपुर

लौह इस्पात उद्योग की भारत में शुरूआत –

पश्चिम बंगाल के कुल्टी में 1874 में 'बंगाल आयरन वर्क्स' की स्थापना से इसकी शुरूआत मानी जाती है।

(1) टाटा आयरन एवं स्टील कम्पनी (TISCO) -

- 1907 में 'जमशेद जी टाटा के द्वारा इसकी स्थापना की गई।
- वर्तमान के झारखण्ड के जमशेदपुर (साकची) में इसकी स्थापना की गई थी।
- यह कारखाना दो नदियों के संगम पर स्थित है- स्वर्णरेखा नदी व खरकई नदी का संगम

TISCO को लौह अयस्क की प्राप्ति:

(1) गुरू महिसानी व बादाम पहाड़ (उड़ीसा)

(2) नोवामंडी (सिंह भूमि)

- कोयला प्राप्ति क्षेत्र :

(1) झरिया

(2) बोकारो

(2) इंडियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी (IISCO) -

- यह पश्चिम बंगाल के वर्नपुर में 1918 में स्थापित की गई थी।
- यह दामोदर नदी के किनारे स्थित है।
- लौह अस्यक प्राप्ति क्षेत्र: सिंहभूमि की गुआखान (झारखण्ड) से
- कोयला प्राप्ति क्षेत्र:-

(1) रामगढ़

(2) नूनरीह

(3) झरिया

मैगनीज प्राप्ति क्षेत्र:-

- जासदा बांसपानी नामक स्थान (उड़ीसा)
- बंदरगाह सुविधा- कोलकाता व हल्दिया बंदरगाह
- जलविद्युत सुविधा - दामोदर घाटी से
- परिवहन सुविधा :- NH2 दक्षिण पूर्वी रेलवे पूर्वी रेल

3. विश्वसरैया आयरन एण्ड स्टील कम्पनी :- (VISCO)

- 1923 में कर्नाटक के 'शिमोगा' जिले में इसकी स्थापना 'भद्रा नदी के किनारे हुई थी।
- लौह अयस्क प्राप्ति क्षेत्र - बाबा बूदन की पहाड़ी से
- जलविद्युत प्राप्ति - जोग व शरावती परियोजना
- इस कम्पनी को कोयला क्षेत्र से दूर स्थापित किया गया है।

(4) हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड (HSC) :-

- 1955 में भूतपूर्व सोवियत संघ व भारत सरकार के मध्य समझौते के तहत स्थापना की गई थी ।
- इसकी स्थापना भिलाई में हुई थी ।
- 1959 में इस कम्पनी ने उत्पादन करना प्रारम्भ कर दिया ।
- कोयला प्राप्ति क्षेत्र :- (1) कोरवा (2) बोकारो (3) झरिया
- लौह अयस्क प्राप्ति क्षेत्र - डल्लीराजहरा
- मैगनीज प्राप्ति क्षेत्र - बालाघाट का भंडारा
- बंदरगाह सुविधा - विशाखापट्टनम

(5) हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड़ (राउरकेला) :-

- यह 1959 में जर्मनी के सहयोग से बनी है।
- ये उड़ीसा में शेख व कोइल नदियों के संगम पर स्थापित किया गया है।
- कोयला प्राप्ति स्थल - झरिया, कौरवा
- लौह अयस्क - वरसुआ
- जलविद्युत सुविधा - हीराकुण्ड परियोजना
- परिवर्तन सुविधा- बबड़ा - मुम्बई रेलमार्ग

(6) हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड (दुर्गापुर) :-

- 1959 में पश्चिम बंगाल के वही वर्धमान जिले में ब्रिटेन के सहयोग से स्थापित किया गया।

कोयला प्राप्ति क्षेत्र:-

1. रानीगंज
2. झरिया
3. वराकर खानो

- लौह अयस्क - गुआखान (सिंहभूमि जिला झारखण्ड)
- जल विद्युत सुविधा - दामोदर नदी घाटी परियोजना
- परिवहन की सुविधा- कोलकाता- दिल्ली रेलमार्ग

(7) बोकारो स्टील प्लांट –

- 1964 में सोवियत संघ के सहयोग से निर्मित है।
- बोकारो में दामोदर नदी के तट पर स्थापित किया गया था
- कोयला प्राप्ति क्षेत्र - बोकारो, झरिया
- लौह अयस्क - किरवरू
- जलविद्युत सुविधा - दामोदर नदी घाटी परियोजना

(8) विशाखापट्टनम स्टील प्लांट :-

- 1979 में भारत और सोवियत संघ के मध्य समझौता हुआ।
- 1982 में भारत सरकार ने इसे मान्यता प्रदान की।
- विशाखापट्टनम बंदरगाह के निकट इस प्लांट की स्थापना की गई ।
- यह भारत का पहला समुद्र तटीय स्टील प्लांट है।
- कोयला / ऊर्जा प्राप्ति क्षेत्र :- दामोदर नदी घाटी परियोजना
- लौह अयस्क प्राप्ति क्षेत्र:- वैलाडीला खाने

(9) सलेम स्टील प्लांट'-

- यह तमिलनाडु के 'सलेम लौह अयस्क ' क्षेत्र में स्थापित किया गया है।
- यह शेवरॉय पहाड़ी क्षेत्र में हैं।
- 1982 से ये कार्यरत है।
- नवेली से इसे कोयला मिलता है।
- यहाँ स्टेनलेस स्टील का निर्माण किया जाता है।

(10) विजयनगर स्टील प्लांट –

- यह कर्नाटक के वेल्लारी जिले मे हास्पेट क्षेत्र में तुंगभद्रा नदी घाटी परियोजना के पास स्थित है।

- लौह अयस्क प्राप्ति क्षेत्र :- बाबा बुदन पहाड़ी क्षेत्र, चिकमंगलूर, हास्पेट
- जल विद्युत सुविधा- तुंगभद्रा नदी परियोजना
- कोयला प्राप्ति - तेलंगाना के सिंगरेनी क्षेत्र से